CHAUDHARY CHARAN SINGH UNIVERSITY, MEERUT, UTTAR PRADESH

Registrar
Ch. Charan Singh University
Meerut

7.1.11 Premchand Jayanti Celebration

Seminar on Premchand Jayanti

23 January 2022

Department of Hindi

Seminar on Premchand Jayanti

23 January 2022

Department of Hindi

प्रेमचंद ने हिंदी साहित्य को सामाजिक सरोकार से जोड़ा : लोहनी

मेरठ (एसएनबी)। चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में हिंदी के प्रख्यात उपन्यासकार प्रेमचंद की जयन्ती पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में हिंदी विभागाध्यक्ष व कला संकायाध्यक्ष प्रोफेसर नवीन चंद लोहनी ने कहा कि प्रेमचंद ने हिंदी साहित्य को सामाजिक सरोकार से जोड़ा। उनके जाने के बाद यदि आज भी हम सभी समस्याओं से जूझ रहे हैं तो यह सोचने को मजबूर करता है और यह चिंता का विषय है। जो प्रगतिशीलता आनी चाहिए थी वह नहीं आ पायी। यदि आज प्रेमचंद लिख रहे होते तो उनके पात्रों के नाम बदल जाते, मगर उनकी कहानियां वही रहतीं।

चौ. चरण सिंह विवि में प्रेमचंद की जयन्ती पर संगोष्ठी आयोजित

डॉ. आरती राणा ने कहा कि प्रेमचंद ने अपने लेखन की शुरुआत उर्दू भाषा से की। प्रेमचंद हमारे उपन्यास साहित्य के केन्द्र में आ जाते हैं, उनमें कोई भाषाई आडम्बर नहीं मिलता। उन्होंने कथा साहित्य के लिए विषय अपने परिवेश से लिए। किसानों के जीवन के संवेदनात्मक पहलू को बहुत ही सफलता से गोदान में दिखाया। रंगभूमि में उन्होंने औद्योगिकरण को दिखाया है। उनकी कहानियों में घरेलू जीवन से लेकर राष्ट्रीय आंदोलन तक के विषय समाहित हैं। जब तक हमारे समाज में यह समस्याएं रहेंगी तब तक प्रेमचंद हमारे समाज के लिए प्रासंगिक रहेंगे। डॉ. अंजू ने कहा कि प्रेमचंद ने बहुत सशक्त स्त्री पात्र गढ़े हैं। स्त्री पात्रों में व्यक्तित्व की कमजोरी नहीं दिखती है। जैसे बुधिया, मालती आदि पात्रों में प्रेमचंद भारतीय परंपराओं और आदर्शों को जीवित रखते हैं। पात्रों और भाषा को लेकर प्रेमचंद सदैव प्रासंगिक रहेंगे।

डॉ. प्रवीण कटारिया ने कहा कि प्रेमचंद एक युग है। उनकी ईदगाह बाल मनोविज्ञान की दृष्टि से विशिष्ट है जो बालक अपनी अवस्था को भूलकर अपनी दादी के लिए चिंतित है उनकी कहानी मंत्र का पात्र भगत मानवता में विश्वास करता है। प्रेमचंद ने यथार्थ को साहित्य में अपनाया है। डॉ. यज्ञेश कुमार ने कहा कि प्रेमचंद एक ऐसे साहित्यकार रहे जो केवल किताबों तक ही सीमित नहीं रहे। वह अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज से सीधे जुड़ते हैं। उन्होंने तत्कालीन समय की सभी समस्यायों को अपनी कलम के माध्यम से अभिव्यक्त किया। डॉ. विद्यासागर सिंह ने कहा कि प्रेमचंद पर कई विचारधाराओं का प्रभाव है। वह गोदान में गोबर, झुनिया के जीतने को जितना महत्व दिया है उतना ही स्थान उन्होंने मेहता मालती आदि को भी दिया है। प्रेमचंद ने दलित व स्त्री के पक्ष में अपने साहित्य द्वारा क्रांतिकारी कदम उठाया। विनय कुमार ने कहा कि प्रेमचंद महान साहित्यकार हैं। जिन्होंने अपने साहित्य में किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। शोधार्थी पूजा ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन पूजा यादव ने किया। इस अवसर पर दीपा रानी, सृष्टि और शुभम भी उपस्थित रहे।

Seminar on Premchand Jayanti

23 January 2022

Department of Hindi

उपन्यासकार प्रेमचंद ने गढ़े सशक्त स्त्री पात्र

हिंदी विभाग में हुई गोष्ठी। संवाद

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विवि के हिंदी विभाग में शुक्रवार को प्रख्यात उपन्यासकार प्रेमचंद की जयंती पर गोष्ठी का आयोजन हुआ। अध्यक्षता संकायाध्यक्ष कला एवं हिंदी विभाग अध्यक्ष प्रो. नवीन चांद लोहनी ने की। उन्होंने कहा कि जो प्रगतिशीलता अभी तक आनी चाहिए थी, वह नहीं आई है। प्रेमचंद यदि लिख रहे होते तो आज उनके पात्रों के नाम बदल जाते, लेकिन कहानियां वही रहतीं। डॉ. आरती राणा ने कहा कि प्रेमचंद हमारे उपन्यास साहित्य के केंद्र में आ जाते हैं। उनमें कोई भाषायी आडंबर नहीं मिलता। डॉ. अंजू ने कहा कि प्रेमचंद ने बेहद सशक्त स्त्री पात्र गढ़े हैं। डॉ. प्रवीण कटारिया, डॉ. यज्ञेश कुमार और डॉ. विद्यासागर सिंह ने भी विचार रखे। दीपा रानी, सृष्टि और शुभम आदि मौजूद रहे। संचालन पूजा यादव ने किया। संवाद

Seminar on Premchand Jayanti

23 January 2022

Department of Hindi

Celebration of Prem Chand Jayanti
02-02-2020
Department of Urdu

Celebration of Prem Chand Jayanti
02-02-2020
Department of Urdu